समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

लातूर के उस बुजुर्ग किसान को सोनू सूद की सबसे बड़ी मदद, बोले- "नंबर भेजो, मै बैलों की व्यवस्था करूंगा".

Publisher

Published on 03 Jul 2025

लातूर के एक किसान दंपति का वीडियो वायरल होने के बाद सोनू सूद ने दिखाई दरियादिली, कहा- "मै आपके लिए बैल भेजूंगा"

लातूर : महाराष्ट्र के लातूर जिले से एक ऐसा वीडियो सामने आया जिसने सभी का दिल छू लिया। यहां के **अहमदपुर तहसील** के एक **75 वर्षीय किसान दंपति** अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते खुद ही खेत में बैलों की जगह हल खींचते नजर आए। सोशल मीडिया पर वायरल होते ही यह वीडियो पूरे महाराष्ट्र में चर्चा का विषय बन गया।

इस घटना के सामने आने के बाद न सिर्फ **कृषि विभाग ने मदद का ऐलान किया**, बल्कि अब बॉलीवुड **अभिनेता सोनू सूद** ने भी इस किसान के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। सोनू सूद ने ट्विटर के जरिए कहा, "मुझे उनका नंबर दीजिए, मैं उनके लिए बैल भेजूंगा।"

किसान की हालत ने किया भावुक

हाडोळती गांव के इस अल्पभूधारक किसान दंपति के पास बैल या ट्रैक्टर खरीदने के लिए पैसे नहीं थे, इसीलिए उन्होंने खुद ही **हल** खींचकर खेत में जुताई करने का फैसला लिया। ये दंपति पिछले **50 वर्षों से खेती** कर रहे हैं, लेकिन आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि **ट्रैक्टर** या **बैल** रखना भी मुश्किल हो गया है।

प्रशासन ने भी बढ़ाया मदद का हाथ

वीडियो वायरल होते ही प्रशासन हरकत में आया और **कृषि विभाग** ने रियायती दरों पर उपकरण देने तथा किसान के लिए 1.25

लाख रुपये की **आर्थिक सहायता** और **ट्रैक्टर** उपलब्ध कराने की घोषणा की है।

सोनू सूद का जवाब- "ट्रैक्टर नहीं, बैल ही सही है"

सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने **सोनू सूद** को सुझाव दिया कि वह बैल की जगह ट्रैक्टर भेज दें, क्योंकि इस उम्र में बैल संभालना मुश्किल होगा। इस पर सोनू सूद ने जवाब दिया कि "शायद उन्हें ट्रैक्टर चलाना नहीं आता होगा, इसलिए बैल ही बेहतर होंगे।"

किसान दंपति की मांग – कर्जमाफी

इस किसान दंपति ने सरकार से कर्जमाफी की भी मांग की है, ताकि उन्हें खेती में और राहत मिल सके।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

---

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.